जैसे महान व्यक्ति जन्म के समय ही परिस्थितियों को समझने अथवा नई खोज करने की अतिरेक शक्तियों, सूझ, विचार प्रक्रिया से युक्त थे।

वातावरणजन्य सृजनशील के सिद्धान्त (Theory of Environmentally Acquired Creativity)– इस सिद्धान्त के अनुसार सृजनशील केवल ईश्वरीय उपहार अथवा जन्मजात योग्यता न होकर अन्य मानवीय योग्यताओं की भाँति एक अर्जित तथा वातावरणजन्य योग्यता है। विमुक्त (Open) प्रजातांत्रिक (Democratic) तथा उत्साहवर्धक (Motivating) वातावरण से सृजनशीलता का विकास होता है जबकि संकुचित (Narrow), आधिकारिक (Athoritative) तथा नैराश्यपूर्ण (Hesitating) वातावरण से सृजनशीलता का ह्रास होता है। वस्तुतः इस सिद्धान्त के अनुसार किसी व्यक्ति को सृजनशील (Creative) अथवा असृजनशील (Non-Creative) बनाने में वातावरण अत्यन्त महत्वपूर्ण, सार्थक तथा निर्धारक भूमिका अदा करता है।

प्रमस्तिष्क गोलार्द्ध सिद्धान्त (Cerebral Hemisphere Theory)– इस सिद्धान्त के अनुसार सृजनशीलता मानव मस्तिष्क के दोनों गोलार्द्धों की अन्तर्क्रिया का परिणाम होती है। प्रमस्तिष्क (Cerebrum) को दो प्रमस्तिष्क गोलार्द्धों (Cerebral Hemispheres) अर्थात् दायाँ गोलार्द्ध (Right Hemisphere) तथा बायाँ गोलार्द्ध (Left Hemisphere) में विभक्त किया जा सकता है। यद्यपि ये दोनों गोलार्द्ध तांत्रिक तन्तुओं (Never Fibers) के एक गुच्छे (Bundle) से जुड़े होते हैं फिर भी भिन्न-भिन्न प्रकार के कार्यों में इन दोनों गोलार्द्धों की सक्रियता भिन्न-भिन्न होती है। अनुसंधान में पाया गया है कि सृजनशीलता व्यक्तियों में प्रायः दायाँ गोलार्द्ध (Right Hemisphere) अधिक प्रबल होता है जबकि तार्किक व्यक्तियों में प्रायः बायाँ गोलार्द्ध (Left Hemisphere) अधिक प्रबल रहता है।

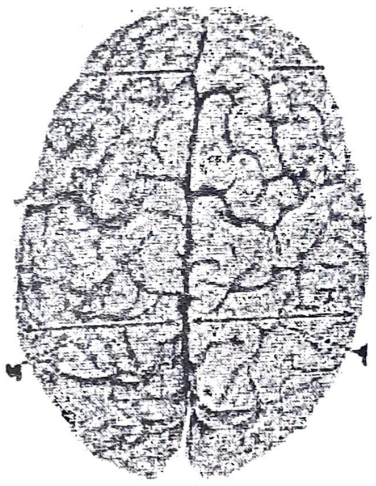

चित्र 126

प्रमास्तिक गोलार्द्ध सिद्धान्त

(Cerebral Hemisphere Theory)

मनोविश्लेषण सिद्धान्त (Psycho-Analysis Theory)– इस सिद्धान्त के अनुसार सृजनशीलता वास्तव में संवेगात्मक शोधन (Emotional Purging) का साधन तथा परिणाम होती है। फ्रायड के अनुसार सृजनशील व्यक्तियों की सृजनशीलता वस्तुतः उनकी कामक्रिया जैसी दमित इच्छाओं की प्रकारान्तर अभिव्यक्ति होती है। फ्रायडवादी सृजनशील कृतियों को कामुकता ऊर्जा (Lileidinal Energy) का सामाजिक दृष्टि से वांछनीय तथा व्यक्तित्व को सन्तुष्टि देने वाला रूपान्तरण मानते हैं। फ्रायडवादियों के अनुसार सृजनशील अभिव्यक्ति में अचेतन (Unconscious) की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

सृजनशीलता के स्तर सिद्धान्त (Level Theory of Creativity)– **आई. ए. टेलर** (I.A. Taylor) द्वारा प्रस्तुत इस सिद्धान्त के अनुसार सृजनशीलता को पाँच क्रमिक स्तरों वाले पदानुक्रम (Hierarchy)